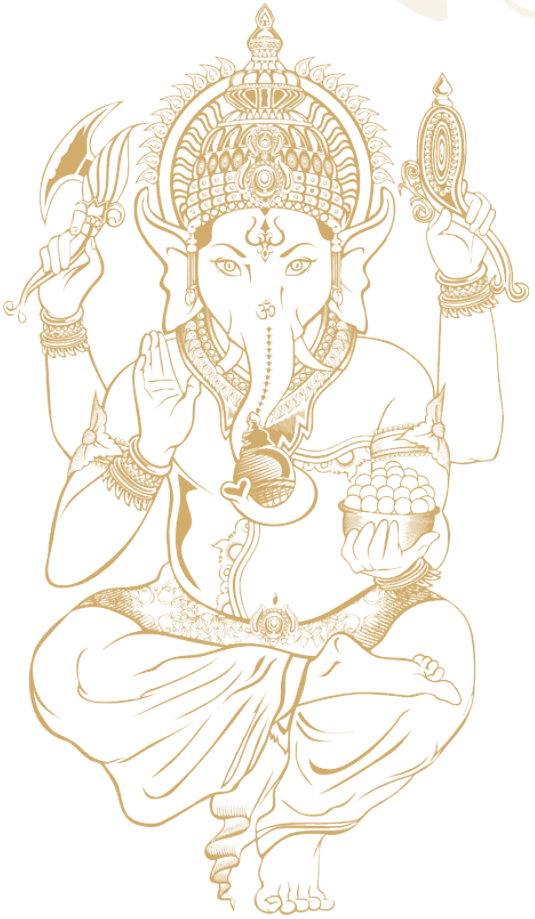

Mr.

09 Feb 2000

06:38 PM

Sasaram

Model: web-freekundliweb

Order No: 121044602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/02/2000**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**18:38:00 घंटे**
इष्ट	30:12:26 घटी
स्थान	**Sasaram**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:58:00 उत्तर
रेखांश	84:01:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:06:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:44:04 घंटे
वेलान्तर	-00:14:14 घंटे
साम्पातिक काल	03:59:51 घंटे
सूर्योदय	06:33:01 घंटे
सूर्यास्त	17:43:31 घंटे
दिनमान	11:10:29 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	26:13:59 मकर
लग्न के अंश	09:04:25 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	सिद्ध
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	झ-झूलेलाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	09:04:25	321:37:49	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	---
सूर्य			मक	26:13:59	01:00:46	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	13:10:02	13:10:54	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	राहु	सम राशि
मंगल			मीन	04:14:18	00:45:52	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मित्र राशि
बुध			कुंभ	12:53:09	01:30:05	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
गुरु			मेष	05:18:10	00:09:06	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	मित्र राशि
शुक्र			धनु	25:28:45	01:13:57	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
शनि			मेष	17:10:30	00:03:05	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	नीच राशि
राहु	व		कर्क	09:46:11	00:02:33	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		मक	09:46:11	00:02:33	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	23:07:57	00:03:29	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
नेप			मक	10:47:50	00:02:13	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो			वृश्चि	18:42:02	00:01:10	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			वृष	08:11:51	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:17

लग्न-चलित

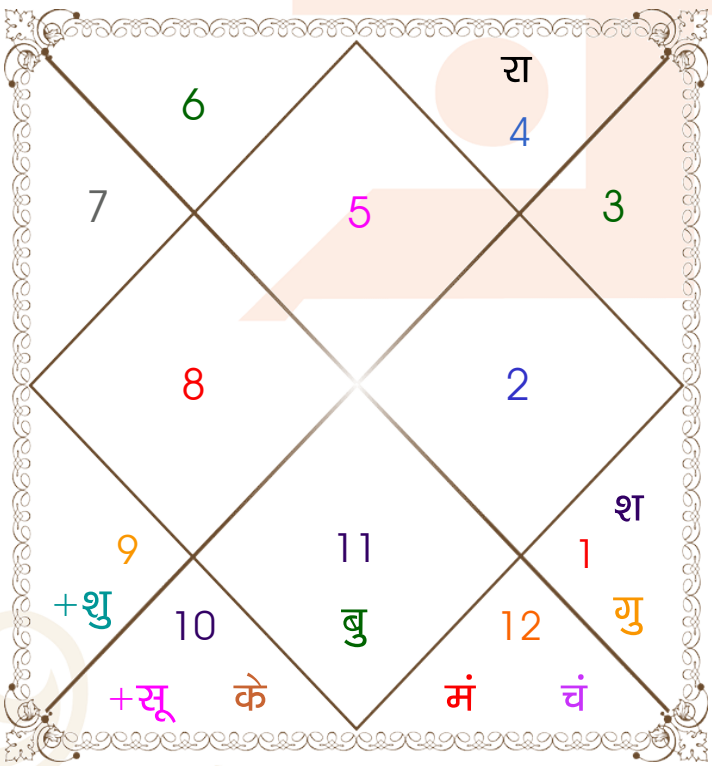

चन्द्र कुंडली

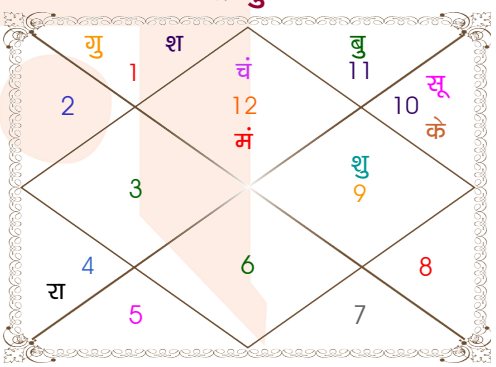

नवमांश कुंडली

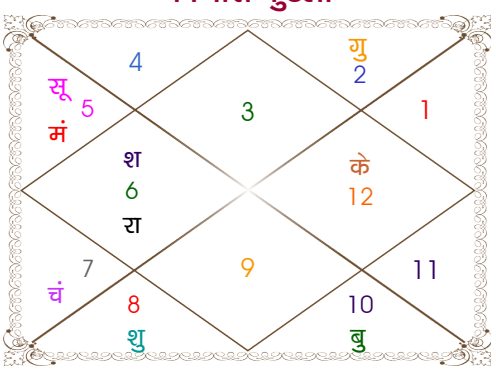

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 4 वर्ष 11 मास 25 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
09/02/2000		04/02/2005		04/02/2022		04/02/2029		04/02/2049	
04/02/2005		04/02/2022		04/02/2029		04/02/2049		04/02/2055	
	00/00/0000	बुध	03/07/2007	केतु	03/07/2022	शुक्र	05/06/2032	सूर्य	24/05/2049
	00/00/0000	केतु	30/06/2008	शुक्र	02/09/2023	सूर्य	05/06/2033	चंद्र	23/11/2049
	00/00/0000	शुक्र	30/04/2011	सूर्य	08/01/2024	चंद्र	04/02/2035	मंगल	31/03/2050
	00/00/0000	सूर्य	06/03/2012	चंद्र	08/08/2024	मंगल	05/04/2036	राहु	22/02/2051
	00/00/0000	चंद्र	05/08/2013	मंगल	04/01/2025	राहु	06/04/2039	गुरु	12/12/2051
	00/00/0000	मंगल	02/08/2014	राहु	23/01/2026	गुरु	05/12/2041	शनि	23/11/2052
	09/02/2000	राहु	19/02/2017	गुरु	30/12/2026	शनि	04/02/2045	बुध	29/09/2053
राहु	24/07/2002	गुरु	28/05/2019	शनि	07/02/2028	बुध	06/12/2047	केतु	04/02/2054
गुरु	04/02/2005	शनि	04/02/2022	बुध	04/02/2029	केतु	04/02/2049	शुक्र	04/02/2055

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
04/02/2055		04/02/2065		04/02/2072		04/02/2090		05/02/2106	
04/02/2065		04/02/2072		04/02/2090		05/02/2106		00/00/0000	
चंद्र	06/12/2055	मंगल	03/07/2065	राहु	18/10/2074	गुरु	24/03/2092	शनि	08/02/2109
मंगल	06/07/2056	राहु	21/07/2066	गुरु	12/03/2077	शनि	05/10/2094	बुध	19/10/2111
राहु	04/01/2058	गुरु	27/06/2067	शनि	17/01/2080	बुध	10/01/2097	केतु	27/11/2112
गुरु	06/05/2059	शनि	05/08/2068	बुध	06/08/2082	केतु	17/12/2097	शुक्र	27/01/2116
शनि	05/12/2060	बुध	02/08/2069	केतु	24/08/2083	शुक्र	18/08/2100	सूर्य	08/01/2117
बुध	06/05/2062	केतु	29/12/2069	शुक्र	24/08/2086	सूर्य	06/06/2101	चंद्र	10/08/2118
केतु	05/12/2062	शुक्र	01/03/2071	सूर्य	19/07/2087	चंद्र	06/10/2102	मंगल	18/09/2119
शुक्र	05/08/2064	सूर्य	06/07/2071	चंद्र	16/01/2089	मंगल	12/09/2103	राहु	10/02/2120
सूर्य	04/02/2065	चंद्र	04/02/2072	मंगल	04/02/2090	राहु	05/02/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 4 वर्ष 11 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्या संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली पुरुषों में अद्वितीय है। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्य मान है। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक है। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी पुरुष हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपकी अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होगें।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगे। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नही करते।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगे परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्त्ता पर छोड़ देंगे। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगे।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित व्यक्ति हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करते हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाले हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहते हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभव है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपने मित्रों के मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगे। ताकि एक व्यक्ति ही नही सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझे जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहते हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।